हिम्मत व जोश का धनी है उत्तम कुमार

मर उजाला ब्यूरो
धमपुर, 16 जुलाई

कलांग होने के बावजूद भी उत्तम ने अपनी हिम्मत नहीं हारी। उसे इस बात का तनिक भी मलाल नहीं है कि वह विकलांग है। उसमें जोश तथा हिम्मत किसी से भी कम नहीं है। उत्तम इन दिनों अमरनाथ यात्रियों की सेवा में दिलो जान से जुटा हुआ है। यही नहीं वह केंद्रीय विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी भी है।

रामनगर तहसील के मजीड़ी गांव में रहने वाले उत्तम कुमार पुत्र मुंशीराम ने बताया की वह बचपन से ही विकलांग था। उसके दोनों हाथों व बाजुओं में बिल्कुल भी ताकत नहीं थी। अपनी मां केसरी देवी की प्रेरणा से उसने अपनी पढ़ाई शुरू कर दी। हाथों व बाजुओं में ताकत न होने के कारण पांव व हाथ के बीच कलम पकड़कर लिखना शुरू किया। इस प्रकार धीरे-धीरे उसे लिखने में महारत हासिल कर ली। उत्तम ने बताया कि निरंतर अभ्यास, अध्यापकों के सहयोग तथा मां के आशीर्वाद से मैं सफलता पर सफलता प्राप्त करता गया।

शिक्षा के साथ-साथ दूसरे कार्यों में भी रुचि लेने लगा। उत्तम ने रामनगर के दसवीं परीक्षा पास की। उसने 12वीं की परीक्षा प्राइवेट से 57 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसके बाद वह नौकरी की तलाश में जुट गया। कुछ महीने के उपरांत उसे शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में नौकरी मिल गई।

यहां वह अपनी क्षमता के अनुसार अधिकारियों के छोटे-मोटे काम करने लगा। उत्तम ने बताया कि अब वह अपने बूढ़े मां-बाप तथा पत्नी के साथ उधमपुर में ही रहता है। क्योंकि आजकल वह यहां के केंद्रीय विद्यालय नौकरी कर रहा है। इस साहसी युवक ने विकलांगता को पछाड़ते हुए अपने पांव के सहारे कई शानदार पेंटिंग्स बनाई हैं। यही नहीं उसने उर्दू में कुछ बेहतरीन गजले भी लिखी हैं। वह इन गजलों को प्रकाशित करवाना चाहता है।

उसने कहा कि हर मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को पोलियों की दवा समय समय पर जरूर पिलाएं। उसने केंद्र तथा राज्य सरकार से मांग की कि कोई ऐसी योजना बनाई जानी चाहिए जिसके जरिए विकलांगों लोगों द्वारा किए गए कारनामों को किसी अच्छे मंच पर उजागर किया जा सके ताकि उनका हौसला बढ़ता रहे।

यही नहीं आजकल उत्तम कुमार शहर के सैंट्रल स्कूल में दो जुलाई से हर रात अमरनाथ यात्रियों के लिए रहने के प्रबंधों की निगरानी कर रहा है।

उसने बताया कि उसे यात्रियों की सेवा करने में बहुत खुशी हो रही है। ऐसा लगता है कि विकलांग होने पर भी ईश्वर ने उसे इस काबिल बनाया है कि लोगों की सेवा की सेवा कर सके। 2 जुलाई से 6 अगस्त तक अमरनाथ यात्रा ड्यूटी पर लगा उत्तम कुमार हर दिन शाम चार बजे से दूसरे दिन आठ बजे तक यात्रियों की सेवा में लगा हुआ है।